



QUARTERLY REPROT - I

MEGA GAON MEGA GAURAV

April – June 2018



National Research Centre on Plant Biotechnology
L.B. S. building, Pusa Campus
New Delhi-110012
(www.nrcpb.res.in)

Published by
Prof. N. K. Singh Project Director
ICAR-National Research Centre on Plant Biotechnology
Pusa Campus, New Delhi - 110012
Tel.: 25848783, 25841787, 25842789
Fax: 25843984
Website: <http://www.nrcpb.res.in>

Compiled and Edited by
Dr. Sanjay Singh
Dr. Jagdeep C. Padaria
Dr. Subodh K. Sinha
Dr. Mahesh Rao
Dr. Deepak S. Bisht
Dr. Anshul Watts
Dr. Pankaj Kumar

Correct Citation
QUATERLY REPROT - I (April-June)
ICAR-National Research Centre on Plant Biotechnology
Pusa Campus, New Delhi - 110012

Background information /Introduction (10-12 lines)**Institution-wise Summary**

S No.	Name of institute/ university	Total No of Groups formed	No. of Scientists Involved	No. of villages covered	No. of field activities conducted	No. of messages/ advisory sent	Farmers benefited (No.)
1.	NRCPB, New Delhi	06	40	06	18	37	187

Institution-wise progress

ICAR-NRCPB adopted six village of district Bulandsahar and Gautam Budhanagar of Uttar Pradesh under Mera Gaon Mera Gaura Program. Project Director of ICAR-NRCPB formed six group including 40 scientists and technical staff. These group visits their respective adopted village time to time for the interaction with farmers and state agriculture officers. They also advise to the farmer to connect through mobile based technology. During this period (April 2018 to June 2018) these group visited time to time to the adopted villages Java, Agota, and Nekapur to organised seed distribution of Pusa basti 1637 and Pusa basmati 1460. NRCPB, DSR and NEFORD NGO, Mau Uttar Pradesh jointly organized a kishan Diwas and seed distribution programme of DDR Dhan 50 at Mau Uttar Pradesh along with *Kisan Ghoshti*. and seed training programme.

Name of institute/university: National Research Centre on Plant Biotechnology (NRCPB)

No. of Teams formed : 03

No. of Villages Selected : 03 (along with this year the NRCPB has been selected 10 village of District Mau Uttar Pradesh)

No. of Team of Scientists	No. of Scientists	No. of Villages	No. of Blocks	No. of Districts	Bench Mark Survey conducted (No. of villages)
02 scientist	15	03	02	01	03
01 scientist	04	08	01	01	08

Activities undertaken

- The institute has organized 08 *Kisan Ghoshti* /Meeting with farmers in adopted villages Shaklapur, Normohammadpur and Shriyal.
- Near about 45 farmers participated and getting benefit from each ghoshti/meeting.
- Conducted 225 demonstrations of Mustard varieties DDR Dhan 50, Pusa basmati 1637 and Pusa bamati 1460 were conducted at these adopted villages at farmer filed.
- Institute have organized two Kishan Diwas at District Mau and Buladshahar Uttar Pradesh on 26 April 2018 and 28 June 2018.
- Institute have organized training program of seed production and seed production of DDR Dhan 50 and Pusa basmati 1637 at respective villages.
- The Scientist of the institute advised to the farmers time to time by mobile based technology and also distributed supporting literature related to varieties.
- The awareness about Soil testing, *Pradhan Mantri Fasal Bima Yojna*, E-marketing, Drip irrigation, organic farming and *Sawach Bharat Abhiyan* was also undertaken during the visit

Table -1: Activities organised by NRPB under MGMG

SN	Name of activity	No. of activities conducted	No. of farmers participated & benefitted
1.	Visit to village by teams	12	72 & 65
2.	Interface meeting/ <i>Goshthies</i>	08	63 & 63
3.	Training organized	02	2822 & 22
4.	Demonstrations conducted	225	225 & 225
5.	Mobile based advisories (No.)	13	13 & 13
6.	Literature support provided	175	175 & 164
7.	Awareness created	10	67 & 67
8.	Input support provided (q)	10.0 q seed	225 & 225
	Total		

Table-2 : Other activities organized by NRCPB.

SN	Name of activity	No. /Area (ha)	No. of farmers benefitted
1.	Linkages developed with other agencies (No. of agency)	03	225
2.	Facilitation for new varieties, seeds, technology		
	i. New varieties (No.)	01	150
	ii. Technology (No.)		
	iii. Seeds (q)	10.0	225
	iv. New crops (No.)		
	Total	13	400

Activity-wise action photographs **with title** (also attach photographs JPEG format separately)



Seed Distribution of Pusa basmati 1637 At Agota Village



Seed Distribution of Pusa basmati 1637 at Java Village



Ladies Scientist interact with ladies farmers at Nekepur



Discussion with NRCPB scientist and Farmers



Kishan Goshti at Agota Village



Kishan Goshti at Java Village

[illegible]

धान की नई प्रजातियों से लाभान्वित होंगे किसान

जागरण संवाददाता, मऊ : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पूसा नई दिल्ली के राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान और नेफोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को अमरवाणी विद्यालय ताजोपुर में किसान गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें किसानों को धान की प्रजाति डीआरआर 50 के बीज का निशुल्क वितरण किया गया।

मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्र नई दिल्ली के परियोजना निदेशक डा. नारायण कुमार सिंह और विशिष्ट अतिथि भारतीय बीज विज्ञान संस्थान कुशमीर के प्रभारी निदेशक डा. दिनेश कुमार अग्रवाल, नेफोर्ड के सहयोगी वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. रमाकांत सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि भारतीय बीज विज्ञान संस्थान कुशमीर के प्रभारी निदेशक डा. दिनेश कुमार अग्रवाल बताया कि इस तरह की प्रजातियां बड़ी दुर्लभ होती हैं, जिसकी संवर्धन और संरक्षण की



कृषि गोष्ठी को संबोधित करते वैज्ञानिक डा. डीके अग्रवाल • जागरण

जिम्मेदारी हम सभी की है। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. रमाकांत सिंह ने किसानों को अधिक उत्पादन के लिए संतुलित उर्वरक के प्रयोग करने की सलाह दी। साथ ही किसानों से अपील किया

किसान अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य कराएँ, साथ ही खेत से मिट्टी के नमूने निकालने के लिए किसानों को प्रशिक्षित भी किया। डा. मनीष राव ने किसानों को धान के बीज उपचारित करने का प्रशिक्षण दिया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पूसा के राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान और नेफोर्ड की ओर से हुई किसान गोष्ठी

डीआरआर- 50 प्रजाति में सूखा और बाढ़ को सहने की क्षमता

मऊ | निज संवाददाता

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद पूसा के राष्ट्रीय पादप जैव प्रौद्योगिकी संस्थान और नेफोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को अमरवाणी विद्यालय ताजोपुर में किसान गोष्ठी और किसानों को धान की प्रजाति डीआरआर- 50 के बीज का निशुल्क वितरण किया गया।

मुख्य अतिथि अनुसंधान केंद्र नई दिल्ली के परियोजना निदेशक डा. नारायण कुमार सिंह ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और सूखा को ध्यान में रखते हुए संस्थान के द्वारा धान की एक ऐसी प्रजाति डीआरआर- 50 विकसित की गई



अमरवाणी ताजोपुर विद्यालय में किसान गोष्ठी कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. डीके अग्रवाल। • हिन्दुस्तान

है। जिसमें सूखा और बाढ़ सहने की क्षमता विकसित है। इस प्रजाति को किसान लगाकर किसी भी परिस्थिति में अच्छा उत्पादन ले सकता है। वर्तमान समय में मौसम का अनुमान

लगाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में यह प्रजाति किसानों के लिए वरदान साबित होगी। विशिष्ट अतिथि भारतीय बीज विज्ञान संस्थान कुशमीर के प्रभारी निदेशक डा. दिनेश कुमार अग्रवाल बताया कि इस तरह की प्रजातियां बड़ी दुर्लभ होती हैं। जिसकी संवर्धन और संरक्षण की जिम्मेदारी हम सभी की है। हम पूरा प्रयास करेंगे कि इस तरह की प्रजातियों का बड़े पैमाने पर बीज उत्पादन कर हम अधिक से अधिक किसानों को इस प्रजाति का लाभ दिला सकें।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. रमाकांत सिंह ने किसानों को अधिक उत्पादन के लिए संतुलित उर्वरक के प्रयोग

करने की सलाह दी। साथ ही किसानों से अपील किया किसान अपने खेत की मिट्टी की जांच अवश्य कराएँ साथ ही खेत से मिट्टी के नमूने निकालने के लिए किसानों को प्रशिक्षित किया। डा. मनीष राव ने किसानों को धान की बीज उपचारित करने के लिए दस ग्राम कारबेनडाजिम को दस लीटर पानी में घोल बनाकर दस किलो धान के बीज को चौबीस घंटे डुबोकर छोड़ दे तत्पश्चात उपचारित बीज को निकाल कर जूट के बैग बीज अंकुरित होने के लिए छायेदार जगह रखें। कार्यक्रम के दौरान संजय पांडे, लालबहादुर सिंह, भोलानाथ यादव, हरिकेश सिंह, अनिल सिंह,

अमरजीत सिंह, बबन सिंह सहित बारह किसानों को प्रशस्ति पत्र और अंगवस्त्रम देकर कृषक मित्र सम्म से सम्मानित किया गया। इस दौरान कृषि विज्ञान केंद्र गोरखपुर के प्रभारी डा. शैलेंद्र सिंह शाहजहापुर के प्रभारी डा. एलबी सिंह, नेफोर्ड सहयोगी वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. रमाकांत सिंह अमरवाणी विद्यालय के प्रबंधक फादर जुलियन, नेफोर्ड के प्रभारी संतोष मिश्रा, विनीत त्रिपाठी, आस्तिक मिश्रा, विजय शंकर पांडे, चंद्रभान सिंह, रमाकांत तिवारी, सिंह, आराम राम, श्रीराम यादव, डा. रमाकांत सिंह, चंद्रिका राम, रामाश्रय सिंह सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

Dr.N.K. Singh
(Project Director)

Project Director
NRC on Plant Biotechnology
L.B.S. Building, Pusa Campus,
New Delhi-110012

Dr Sanjay Singh
Principal Scientist &
Nodal Officer, MGGMG